इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक २ मार्च, २००८ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २००८ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

स्वामिनारायण BAPS

इस कोष्टक में **प्रवेश-२ (हिन्दी)** का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

☞ **परीक्षार्थी के विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

निम्न लिखित सूचना परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (७)	
	४ (५)	
	५ (६)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (६)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ **परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-**

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपना विवरणयुक्त स्टीकर प्राप्तकर अपनी उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर लगाकर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुणांक दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

५. अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

६. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

७. प्रश्न के गुण → गुण : १ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण रखने की जगह

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । **(९)**

१. ''तुम महाराज को बेअदबी से एकवचन में क्यों बुलाती हो ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

२. ''तुम वापस अपनी देह में लौट जाओ ।''

३. ''हम तो स्वामिनारायण के भक्त हैं, अपना धर्म सम्हालकर चलते हैं ।''

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(४)**

१. उषस्ति ऋषि ने झूठा पानी पीने के लीए मना कर दिया ।

.....

.....

.....

२. जलझुलनी एकादशी को परिवर्तिनी एकादशी भी कहते हैं ।

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>सात</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके क्रमांक लिखें । **(७)**

विषय : आत्मानंद स्वामी द्वारा समझाया गया महाराज का स्वरूप ।

१. तेजोमय धाम में महाराज सिंहासन पर बैठे हैं । **२.** ज्येष्ठ कृष्णा षष्ठी के दिन धाम में पधार गये । **३.** रामकृष्णादि अवतार महाराज की स्तुति करते हैं । **४.** गुणातीतानंद स्वामी के भोजनपात्र में से प्रसादी ली । **५.** आज तक महाराज को मैं कृष्ण के बराबर समझता था । **६.** एक ही समय में मैंने सबकी पूजा की । **७.** गुणातीतानंद स्वामी ने महाराज की सर्वोपरी महिमा समझायी । **८.** रामानंद स्वामी ने कहा ''यह सहजानंद स्वामी सर्व अवतार के कारण हैं ।'' **९.** आपकी बातों से महाराज के स्वरुप का ज्ञान हुआ । **१०.** मैं भी यही सोचता हूँ कि मुझमें क्या कमी है । **११.** महाराज आपको अपने धाम में क्यों नहीं ले जाते ?

केवल क्रमांक - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. मोटाभाई को दीक्षा देकर महाराज ने क्या नाम रखा ?

.....

२. राघव और वशराम को दीक्षा देकर महाराज ने क्या नाम रखा ?

३. किस मन्दिर को अक्षरधाम की उपमा दी गयी है ?

४. महाराज की सेवा में जीव को कौन निमग्न कर सकता है ?

५. झमकूबा ने महाराज से क्या प्रार्थना की ?

प्र. ५ 'सत्संग हो भी जाये.....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण करके विवरण लिखिए ।** **अथवा**
वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ६ **का विवरण लिखिए ।** **(६)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. हम सभी श्रीजी की .....

..... मुक्ति के लिए ।

२. मनस्येकं ..... दुरात्मनाम् ।

३. हिंसा न करनी ..... कोईकुं लगात ।

४. ''अनन्तकोटिन्दु ..... नमामि ।'' – इस श्लोक का अनुवाद कीजिए ।

विभाग – २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । **(९)**

१. ''मेरे मन तो आप ही भगवान हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

२. ''स्वामीश्री स्वयं इस दशमी तिथि के दिन प्रतिष्ठा हो, ऐसा चाहत्ते थे ।''

३. ''गुजरात में मेरे भक्त के सिर पर संकट आ पड़ा है, उसकी रक्षा के लिये मुझे वहाँ जल्दी पहुँचना आवश्यक है ।''

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(४)**

१. आचार्य विहारीलालजी महाराज ने डुंगर भक्त को उलाहना दिया ।

.....

.....

.....

२. साधु वृंद यज्ञपुरुषदास को हटाने की योजनाएँ बनाने लगा ।

प्र. ९ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(विवरण आवश्यक नहीं है।) **(५)**

१. यज्ञपुरुषदास के द्वारा की गई विज्ञानानंद स्वामी की सेवा । २. अजातशत्रु ।
३. पीज के जेठाभाई को हुई अक्षरपुरुषोत्तम की निष्ठा ।

( ) १. .....
.....
२. .....
.....
३. .....
.....
४. .....
.....
५. .....
.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६)**

१. गोरधनभाई कोठारी ने स्वामीश्री को कहाँ मन्दिर बनाने को कहा ?
.....
२. गोरधनभाई कोठारी ने अपने सारे जीवन में कौनसा कार्य नहीं होने दिया था ?
३. शुक स्वामी के लिए गुणातीतानंद स्वामी ने क्या कहा ?
४. शास्त्रीजी महाराज ने सुवर्ण कलश युक्त तीन शिखरों का भव्य मन्दिर किसे दिखाया ?
५. निगुर्णदास स्वामी ने झोली लेकर माँगने के लिए मना किया तब स्वामीश्री ने क्या कहा ?
६. शास्त्रीजी महाराज ने गलभाई को बुलाकर क्या पुछा ?

प्र.११ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(६)**

१. वृद्ध साधु हरिदास कथा कहने को बैठे तब मुझे बुलाना । [ ]
.....
२. भगतजी ने स्वामीश्री को प्रत्यक्ष दर्शन देकर गुलाब और बेले का हार पहनाया ।
३. अदभुतानंद स्वामी ने डुंगर भक्त को दीक्षा देने के लिए आचार्य महाराज को बिनती की ।
४. स्वामीश्री ने वडताल छोड़ने से पहले लक्ष्मीनारायण देव को हमेशा साथ में रहने की और सहायता करने की प्रार्थना की ।
५. शास्त्रीजी महाराज ने २५ वर्ष के नारायणस्वरुपदास की प्रमुखपद पर नियुक्ति की ।
६. गणेश भक्त को संकल्प हुआ कि, ''सम्मान साधु के लिए योग्य है क्या ?''

प्र.१२ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(६)**

१. मोतीभाई ने स्वामीश्री के दोनों हाथ पर ..... लगाया ।
२. स्वामीश्री की प्रथम छवि ..... ने ली ।
३. सारंगपुर मन्दिर की प्रतिष्ठा के दिन शास्त्रीजी महाराज ने ..... का पाठ करवाकर बात की ।
४. साधु को तो हमेशा ..... भोजन करना चाहिये ।
५. विज्ञानानंद स्वामी के पास डुंगर भक्त चार महीनों में ..... पढे ।
६. डुंगर भक्त ने ..... होने से शादी प्रसंग में भोजन के लिए मना कर दिया ।